RAJYA SABHA

Wednesday, 7th September 1955

The House met at eleven of the clock, MR. CHAIRMAN in the Chair.

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

*341. [*For answer, vide col.* 2251 infra.]

*342. [*For answer, vide col.* 2252 infra.]

*343. [*For answer, vide col.* 2254 infra.]

दिल्ली का कमला मार्केट

*३४४. **श्री नवाब सिंह चौहान** : क्या पुनर्वास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) अजमेरी गेट दिल्ली के निकट जो कमला मार्केट बना है, वह किस समय इस्तेमाल के काबिल हो गया था ;

(ख) उसके निर्माण पर कुल कितनी लागत आई है ; और

(ग) उसमें कुल कितनी दूकानें हैं ?

†[KAMLA MARKET IN DELHI

*344. SHRI NAWAB SINGH CHAUHAN: Will the Minister for REHABILITATION be pleased to state:

(a) when the Kamla Market near Ajmeri Gate, Delhi was made ready for use;

(b) what is the total cost incurred on its construction; and

(c) the total number of shops constructed in the said market?]

पुनर्वास मंत्री (श्री मेहर चन्द खन्ना) : (क) नवम्बर, १९५१ में।

(ख) १५,३०,००० रुपये ।

(ग) २७१ दूकानें।

†[THE MINISTER FOR REHABILITATION (SHRI MEHR CHAND KHANNA): (a) November 1951.

(b) Rs. 15,30,000.

(c) 271 shops.]

श्री नवाब सिंह चौहान : क्या सरकार को इस बात का पता है कि इस मार्केट के अन्दर के हिस्से की सभी दूकानें अभी तक खाली पड़ी हुई हैं ?

श्री मेहर चन्द खन्ना : जनाब ऐसा दुरुस्त नहीं है । उनमें से २२८ दूकानें लगी हुई हैं और ४३ दूकानें इस वक्त खाली हैं और स्टेट गवर्नमेंट ने मुझ से कहा है कि वे अनकरीब ही एलाट कर दी जायेंगी ।

श्री नवाब सिंह चौहान : क्या वजह है कि सन् १९५१ से अब तक दूकानें खाली पड़ी रहीं ?

श्री मेहर चन्द खन्ना : मैंने यह नहीं कहा कि सन् १९५१ से खाली पड़ी रहीं । मैंने यह कहा कि इस वक्त २२८ दूकानें लगी हुई हैं और ४३ खाली हैं और स्टेट गवर्नमेंट जल्दी ही उनको एलाट करने वाली है ।

श्री नवाब सिंह चौहान : आपने बताया कि सन् १९५१ में यह मार्केट तैयार हो गया । तो उस वक्त से अब तक ये दूकानें खाली पड़ी हुई हैं या बीच में उठाई गयीं लेकिन फिर खाली हो गयीं ? ये बीच में खाली हो गयीं या उसी वक्त से खाली पड़ी हैं, इसका कारण क्या है ?

श्री मेहर चन्द खन्ना : चार वर्ष की तवारीख बतलाना आसान नहीं है । शुरू में जब यह मार्केट बना था तो जहां तक मेरा ख्याल है सब दूकानें उठा दी गई थीं । मुमकिन है कि बाद में कुछ दूकानें खाली हो गई हों ।

श्री नवाब सिंह चौहान : क्या बाहर से आये हुये रेफ्यूजीज के लिये ही ये दूकानें बनाई गयी हैं ? अगर ये दूकानें रेफ्यूजीज न लें तो क्या यहां के लोगों को उठाई जा सकती हैं ?

श्री मेहर चन्द खन्ना : यह बड़ा भारी सवाल है । अभी तो रेफ्यूजीज का ही पेट नहीं भरा है । जब भर जायगा, तब सोचेंगे ।

†English translation.

मोटर के पुर्जे तैयार करने वाले जापानियों के दल की भारत यात्रा

***३४५. श्री नवाब सिंह चौहान :** क्या **वाणिज्य और उद्योग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि मोटर के पुर्जे तैयार करने वाले जापानियों का एक दल मई, १९५५ के अन्त में बम्बई तथा अन्य मुख्य स्थानों पर गया और मोटर के पुर्जे तैयार करने वाले वहां के प्रमुख कारखानों का निरीक्षण किया ; और

(ख) क्या इस दल ने इस सम्बन्ध में भारत सरकार से कोई बातचीत की ?

†[JAPANESE PARTY OF MOTOR-PARTS MANUFACTURERS VISITING INDIA

*345. SHRI NAWAB SINGH CHAUHAN: Will the Minister for COMMERCE AND INDUSTRY be pleased to state:

(a) whether it is a fact that a Japanese party of motor-parts manufacturers visited Bombay and other important places in India towards the end of May 1955 and inspected important factories manufacturing motor-parts; and

(b) whether this party had any talk in this connection with the Government of India?]

उद्योग मंत्री (श्री नित्यानन्द कानूनगो) : (क) सरकार को इसकी कोई सूचना नहीं है ।

(ख) जी, नहीं ।

†[THE MINISTER FOR INDUSTRIES (SHRI N. KANUNGO): (a) Government have no information.

(b) No, Sir.]

DEMARCATION OF INDO-PAKISTAN BORDER

*346. SHRI M. GOVINDA REDDY: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) the length of undemarcated border between India and Pakistan; and

(b) the steps taken to expedite the work of demarcation?

THE DEPUTY MINISTER FOR EXTERNAL AFFAIRS (SHRI ANIL K. CHANDA): (a) The length of the entire border between India and Pakistan (excluding Jammu and Kashmir) is 3,966 miles. Out of a total of 2,463 miles in the Eastern Zone, 1,542 miles remain undemarcated and out of a total of 1,503 miles in the Western Zone, 1,499 miles remain undemarcated.

(b) In pursuance of the Indo-Pakistan Agreement of December, 1948, the Directors of Land Records of West Bengal, Assam, Tripura and Bihar on the Indian side and the Director of Land Records of East Bengal on the Pakistan side have been engaged in the work of demarcation of the Indo-Pakistan border in the Eastern Zone. They have since jointly demarcated about 921 miles. The work of demarcation on the remaining 1,542 miles is in various stages of preliminary operations and is being continued.

The question of demarcation of the Indo-Pakistan border in the Western Zone has been under discussion between the two Governments and was last discussed at a meeting held between the Minister for Home Affairs and the Pakistan Minister for the Interior May 1955 and inspected It was agreed that the entire boundary should be demarcated as early as possible and that the highest priority should be given to the demarcation of the land portion of the Punjab (I)—Punjab (P) boundary. The work of demarcation will be taken in hand as soon as the Government of Pakistan have ratified the agreement reached between the two Ministers.

SHRI M. GOVINDA REDDY: May I know, Sir, if the demarcation work is now going on?

†English translation.